चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिये वर्दियां

3143. **श्री ब्रह्मानन्दजी :**
श्री हुकम चन्द कछवाय :
श्री जगन्नाथ राव जोशी :
श्री यशवन्त सिंह कुशवाह :

क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विभिन्न मंत्रालयों में चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को वर्दी और जूते आदि ठीक समय पर नहीं दिये जाते क्योंकि ठेकेदार मूल्यों के बढ़ जाने के कारण इन वस्तुओं को सस्ते दामों पर सप्लाई करने में असमर्थ हैं;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार का विचार इन वस्तुओं को सुपर बाजार तथा केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डारों से प्राप्त करके उन्हें समय पर सप्लाई करने का है; और

(ग) यद नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ?

गृह-कार्य मंत्रालय में उपमंत्री (श्री के० एस० रामस्वामी) : (क) से (ग). चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों के लिये वर्दी के लिये कपड़ा तथा दूसरी वस्तुएं मंत्रालयों आदि द्वारा, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय द्वारा तय ठेके के मूल्य पर सप्लायरों से प्राप्त की जाती हैं। इन आपूर्तियों को पर्याप्त समय रहते प्राप्त करने के सभी सम्भव प्रयत्न किये जाते हैं। यदि, फिर भी आपूर्तियां न हो पायें या उन में अनावश्यक बिलम्ब हो रहा हो, तो माल की किस्म तथा कीमत को ध्यान में रखते हुए, उन्हें सुपर बाजार, या केन्द्रीय उपभोक्ता सहकारी भण्डारों से या किसी अन्य साधन से स्थानीय रूप से प्राप्त किया जाता है।

मिट्टी के तेल के तस्कर व्यापारी

3144. **श्री क० मि० मधुकर** : क्या गृह-कार्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि दिल्ली पुलिस ने 25 मई, 1967 को मिट्टी के तेल के तस्कर व्यापारियों के एक गिरोह को गिरफ्तार किया है; और

(ख) यदि हां, तो तस्करी को रोकने के लिये क्या उपाय करने का विचार है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विद्याचरण शुक्ल) :

(क) 24/25 मई, 1967 की रात को यू० पी० दिल्ली सीमा पर नियंत्रण चौकी पर एक ट्रक पकड़ा गया जिसमें लगभग 6 हजार लिटर मिट्टी का तेल ले जाया जा रहा था। दिल्ली मिट्टी का तेल (निर्यात तथा मूल्य) नियंत्रण आदेश 1963 की व्यवस्थाओं के उल्लंघन करने के आरोप में दो व्यक्तियों को जिनमें ट्रक का ड्राइवर शामिल है अनिवार्य वस्तु अधिनियम धारा के अधीन गिरफ्तार किया गया। अब मामला न्यायालय को सौंप दिया गया है और न्यायाधीन है।

(ख) संघ राज्य क्षेत्र दिल्ली की सीमाओं पर स्थापित तस्करी नियंत्रण चौकियां तस्करों की गतिविधियों पर लगातार नियंत्रण रखती हैं।

Hill States People

3145. Shrimati Jyotsna Chanda: Will the Minister of **Home Affairs** be pleased to state:

(a) whether it is a fact that all Party Hill Leaders Conference has decided to take direct action in case Government failed to find an acceptable solution to the Hill People of Assam before the 13th July, 1967; and